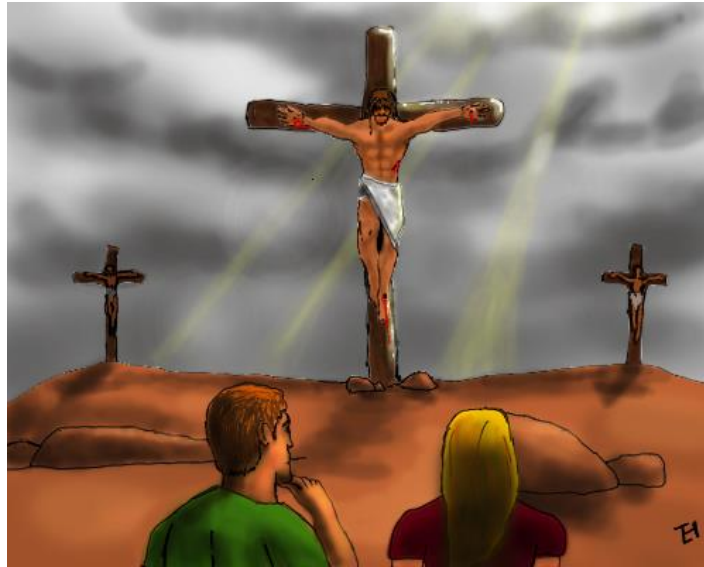


GOD'S SIMPLE PLAN OF SALVATION FROM JOHN



Why did Jesus die?

1. Man by nature does evil (wrong).

It is not hard to admit that we all have done things that we know is wrong, but yet we do them anyway. That is called sin! We all are guilty of it we have been doing it since we were born.

John 3:19 नियाय करइया के फैसला ए अय: अंजोर ह संसार म आईस, पर मनखेमन अंजोर के बदले अंधियार ले मया करिन, काबरकि ओमन के काम खराप रिहिन। 20जऊन ह खराप काम करथे, ओह अंजोर ले घिन करथे अऊ ओह अंजोर म नई आवय, काबरकि ओला डर

Romans 3:23 काबरकि जम्मो झन पाप करे हवंय अऊ ओमन परमेसर के महिमा ले अलग हवंय,



We are all sinners!

2. By that nature we are condemned.

John 6:40 काबरकि मोर ददा के ईछा ए अय कि जऊन कोनो बेटा ला देखय अऊ ओकर ऊपर बिसवास करय, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पावय, अऊ मेंह आखिरी दिन म ओला जीयाहूँ।”

John 3:18 जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करथे, ओह दोसी नई ठहरय, पर जऊन ह बिसवास नई करय, ओह दोसी ठहर चुकिस, काबरकि ओह परमेसर के एकलऊता बेटा ऊपर बिसवास नई करिस।

John 3:36 जऊन ह बेटा के ऊपर बिसवास करथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय, पर जऊन ह बेटा के बात ला नई मानय, ओह ओ सदाकाल के जिनगी के अनुभव कभू नई करही, काबरकि परमेसर के कोरोध ह ओकर ऊपर बने रहिये।”



There is a cost for sin!

3. Jesus was in the world and he died for us.

John 14:6 यीसू ह ओला जबाब दीस, “रसता, सत अऊ जिनगी मेंहीच अंव। मोर बिगर कोनो ददा करा नई आ सकय#14:6 यीसू ह ओ रसता अय (यूहन्ना 10:9), जऊन ह परमेसर करा ले जाथे।।

John 3:17 परमेसर ह अपन बेटा ला एकर खातिर नई पठोईस कि ओह संसार ला दोसी ठहरावय, पर ए खातिर पठोईस कि संसार ला ओकर जरिये बचावय।

John 1:10, 12 ओह (बचन) संसार म रिहिस, अऊ ओकरे जरिये, परमेसर ह संसार ला बनाईस, पर संसार के मनखेमन ओला नई चिन्हिन। पर जतेक झन ओला गरहन करिन अऊ ओकर नांव ऊपर बिसवास करिन, ओमन ला ओह परमेसर के संतान होय के अधिकार दीस।

4. Salvation is a free gift, not by good works. You must take God’s word for it, and trust Jesus alone!

Salvation is trusting and receiving Jesus Christ as your Savior. It's trusting in the fact that Jesus Christ died on the cross of Calvary to pay for your sins! It's realizing there is absolutely nothing whatsoever you can do to save yourself and *completely* trusting in Jesus Christ to save you! It's not any church that saves. It's not any baptism, not good works, not sacraments, not repenting, not praying through, not living a good life — **IT'S NOT ANYTHING YOU CAN DO!**

Acts 4:12 कोनो आने के दुवारा उद्धार नई मिलय, काबरकि स्वरग के खाल्हे, मनखेमन ला अऊ कोनो आने नांव नई दिये गीस, जेकर दुवारा हमन उद्धार पा सकन।”

Ephesians 2:8-9 काबरकि अनुग्रह ले, बिसवास के दुवारा, तुम्हर उद्धार होईस। अऊ एह तुम्हर अपन कोति ले नई, फेर एह परमेसर के दान ए। अऊ एह मनखे के करम करे के कारन नो हय, ताकि कोनो घमंड इन करंय।

Titus 3:5 अऊ ओह हमर उद्धार करिस, अऊ एह हमर कोनो धरम के काम के कारन नई, पर ओह अपन दया के कारन हमर पाप ला धोके हमर उद्धार करिस अऊ पबितर आतमा के दुवारा नवां जिनगी दीस।

5. You must believe on the Lord and you will have everlasting life!

John 5:24 मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह मोर बचन ला सुनथे, अऊ मोर पठोइया के ऊपर बिसवास करथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय; ओह दंड के भागी नई होवय; ओह मिरतू ले पार होके जिनगी पा चुके हवय।

John 6:47 मेंह तुमन ला सच कहथंव, जऊन ह बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाथे।

John 10:28 मेंह ओमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी देथंव, अऊ ओमन कभू नास नई होहीं; अऊ ओमन ला कोनो मोर हांथ ले छीन के नई ले जा सकय।



If you want to accept Jesus Christ as your Savior and receive forgiveness from God, here is prayer you can pray. Saying this prayer or any other prayer will not save you. It is only trusting in Jesus Christ that can provide forgiveness of sins. This prayer is simply a way to express to God your faith in Him and thank Him for providing for your forgiveness.



"Lord,

I know that I am a sinner. I know that I deserve the consequences of my sin which is death and hell. However, I am trusting in Jesus Christ as my Savior. I believe that His death and resurrection provided for my forgiveness. I trust in Jesus and Jesus alone as my personal Lord and Savior. Thank you Lord, for saving me and forgiving me! Amen!"

If you just prayed that prayer — according to the Word of God — YOU ARE SAVED! HALLELUJAH!

You say, but I don't feel any different. Guess what? Your salvation does not depend on your feeling. **It ALL depends on doing what God SAID!**

God said if you receive and trust in Jesus Christ you are saved. Notice it does NOT say you "might" or "could" be saved — but "shall be saved". **YOU ARE SAVED!**

“हर ओ मनखे जऊन ह परभू के नांव लेथे, ओह उद्धार पाही।”#10:13 योएल Romans 10:13

Didn't you just believe on the Lord Jesus Christ? Look at what John 3:36 says! It says you **HATH EVERLASTING LIFE!** Not "maybe" or "hope so" — **BUT HATH — YOU ARE SAVED!**

जऊन ह बेटा के ऊपर बिसवास करथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय, पर जऊन ह बेटा के बात ला नई मानय, ओह ओ सदाकाल के जिनगी के अनुभव कभू नई करही, काबरकि परमेसर के कोरोध ह ओकर ऊपर बने रहिथे।” John 3:36

Friend, if you prayed the prayer and received Jesus Christ — **YOU ARE SAVED! You did what God said — AND GOD CANNOT LIE!**